IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper **© 2012 IJFANS. All Rights Reserved,** **UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 4, 2022**

"माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में अंग्रेजी भाषा कौशल के द्वारा शैक्षिक अधिगम क्षमता पर प्रभाव का अध्ययन"

शोधार्थी

प्रियंका पाल

पी.एच.डी शोधार्थी

स्कूल ऑफ एजुकेशन, मैट्स विश्वविद्यालय, रायपुर, छ.ग

शोध निर्देशिका

प्रो. डॉ.संगीता शराफ

प्राध्यापक

स्कूल ऑफ एजुकेशन, मैट्स विश्वविद्यालय, रायपुर, छ.ग

शोध सारांश

शिक्षा का सीधा संबंध मानव जीवन से है प्राचीनकाल से ही विश्व में शिक्षा देने अथवा ग्रहण करने की प्रथा किसी न किसी रूप में प्रचलित रही है मनुष्य पहले से ही कुछ न कुछ सीखता आया है व्यक्ति के जीवन को शिक्षा जिस प्रकार प्रभावित करती है, उसी प्रकार व्यक्ति का सामाजिक जीवन भी प्रभावित होता है। इसी शिक्षा के द्वारा वह अपने आचार-विचार व्यवहार तथा रहन-सहन में परिवर्तन और संशोधन करता आया है।

"शिक्षा के माध्यम से ही विद्यार्थियों का सम्पूर्ण व्यक्तित्व व मानसिक स्तर बढ़ता है। शिक्षा के माध्यम से ही उसमें कुशल

IJFANS International Journal of Food And Nutritional Sciences

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 4, 2022

जीवनयापन करने की क्षमता का विकास होता है। अतः यह कहना अन्यथा न होगा कि शिक्षा के द्वारा ही व्यक्तित्व व समाज एवं समाज से देश का विकास संभव है। अंग्रेजी भाषा कौशल के द्वारा विद्यार्थियों में शैक्षिक अधिगम का विकास होता है जो विद्यार्थियों को अपनी रूचि के आधार पर शिक्षा प्राप्त कर अपनी शैक्षिक अधिगम में परिवर्तन ला सकता है |

Keyword-

शैक्षिक अधिगम क्षमता = सीखने कि क्षमता

अंग्रेजी भाषा कौशल = अंग्रेजी भाषा की शिक्षा

प्रस्तावना

शिक्षा ही मानव को असत्य से सत्य की और अंधकार से प्रकाश की ओर अज्ञान से ज्ञान की और मृत्यु से अमरत्व की ओर जाने के लिये प्रेरित करती है तथा प्रोत्साहित करती है शिक्षा के कारण ही मानव आज सभ्यता के उस ऊँचे शिखर पर पहुच पाया है शिक्षा एक अनन्त प्यास है। जिसका संबंध केवल जीने की कला मात्र से नहीं है अपितु वह स्वयं जीवन के आदर्शो से जुड़ी हुई है न केवल व्यक्ति के संदर्भ में शिक्षा उपयोगी है और आवश्यक है। ये नहीं बल्कि राष्ट्र और समाज की उन्नति और विकास भी शिक्षा पर ही आधारित है शिक्षा सामाजिक चेतना को जागृत करती है। सामाजिक धरोहर की रक्षा करती है तथा आगामी पीढ़ी का विकास करती है। शिक्षा से मेरा अभिप्राय बालक एवं मनुष्य के शरीर मस्तिष्क एवं आत्मा के सर्वोत्तम अंश की अभिव्यक्ति है। ''शिक्षा का अर्थ मनुष्य के मस्तिष्क को इस योग्य बनाना है कि वह शाश्वत सत्य की खोज कर सके तथा उसे अपना बना सके और उसकी अभिव्यक्ति कर सके ।

संबंधित शोध साहित्य का अध्ययन

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 4, 2022

समस्या को कथन का रुप देकर शीर्षक में परिवर्तित किया जाता है जिसके माध्यम से अनुसंधानकर्ता शोध कार्य कि शुरुआत करता है,प्रस्तुत शोध अध्ययन का समस्या कथन निम्न है -

1.नागराजन (2000) ने अंग्रेजी भाषा कौशल पद्धति और प्रत्यक्ष पद्धति की तुलना की। यह प्रायोगिक अध्ययन बिलासपुर का मध्यम विद्यालय छठी कक्षा के हिन्दी के विद्यार्थियों पर किया गया। वर्ग को दो समूहों नियंत्रण और सीखने में विभाजित किया गया था एक निदान परीक्षण कक्षा के अंकों आयु और घरेलू पृष्ठभूमि के आधार पर प्रायोगिक अंक निर्धारित किये गये थे । अध्ययन ने निष्कर्ष निकाला कि अंग्रेजी भाषा कौशल बेहतर थी क्योंकि यह सरल साबित हुई थी।शिक्षार्थियों और शिक्षकों के दृष्टिकोण से इसमें भाषण प्रवाह और सटीकता विकसित हुई। अध्ययन में यह भी पाया गया कि इस पद्धति के उपयोग में सुधार हुआ है शिक्षार्थियों और शिक्षकों के बीच संचार और स्कूल के लिए प्रभावी साबित हुआ है।

2.रिक्टरिच (2002) दो अन्य प्रकार के आवश्यकता विश्लेषण की वकालत करता है अर्थात् अंग्रेजी भाषा कौशल सब्जेक्टिव नीड्स एनालिसिस जो की व्यक्तिपरक जानकारी एकत्र करने पर केंद्रित है। शिक्षार्थियों के रूप में वे शिक्षार्थियों की धारणाओं लक्ष्यों और प्राथमिकताओं को दर्शाते हैं। दूसरा एक वस्तुनिष्ठ आवश्यकता विश्लेषण है जिसका उपयोग वस्तुनिष्ठ जानकारी एकत्र करने के लिए किया जाता है। शिक्षार्थी के बारे में उनकी धारणाओं के विपरीत तथ्यात्मक बातें हो सकती है। जिससे भाषा कौशल को उपयोग करना आसान हो जाता है।

3.रचा और कुमार (2015) ने शैक्षिक अधिगम क्षमता के प्रभावशीलता की जांच की (आरा रणनीति) माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के महत्वपूर्ण सोच स्वभाव पर कार्य किया है। कुल मिलाकर 116PSEB से संबद्ध स्कूल में पढ़ने वाले कक्षा 9 के छात्रों

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 4, 2022

को नमूने के रूप में लिया गया था। दैनिक जीवन में आलोचनात्मक सोच परीक्षण का उपयोग करके एकत्र किया गया जिसे मिन्समॉयर द्वारा विकसित किया गया था।

4. **सिंह धनराज (2017)** ने जांच की कि क्या सहयोगी शिक्षा के संपर्क में है कॉलेज के पहले वर्ष के दौरान की गतिविधियों महत्वपूर्ण सोच कौशल के विकास को प्रभावित करती हैं। इस शोध का पता लगाने के लिएए संयुक्त राज्य भर में संस्थान शोधकर्ताओं ने 19 में 1455 नए लोगों के अनुदैर्ध्य डेटा का विश्लेषण किया। बड़े पैमाने पर लागू सांख्यिकीय नियंत्रणों के साथ से महत्वपूर्ण सोच के एक उपाय सहित संभावित भ्रमित करने वाले कारकों की संख्या समानांतर पूर्व.परीक्षण शोधकर्ताओं ने पाया कि सहयोगी शिक्षण गतिविधियों के संपर्क में था कॉलेज के पहले वर्ष के अंत में महत्वपूर्ण सोच में लाभ के साथ जुड़ा हुआ है लेकिन केवल उनके लिए जो श्वेत छात्र और वे जो कॉलेज के लिए अकादमिक रूप से कम तैयार थे। अंत में परिणामस्वरूप 3-तरफ़ा बातचीत ने सुझाव दिया कि गोरों के बीच सहयोगी सीखने का जोखिम महत्वपूर्ण विचार कौशल पूर्व-अध्ययन शैक्षणिक तैयारी का निम्न स्तर सकारात्मक रूप से लाभ के साथ जुड़ा हुआ था

अध्ययन का उद्देश्य

शोधकर्ता द्वारा किसी भी शोध कार्य का कोई ना कोई उद्देश्य लेकर ही पूर्ण किया है,बिना उद्देश्य के किया जाने वाला कार्य अर्थहीन होता है। अतः प्रस्तुत शोध कार्य जे उद्देश्य निम्न है -

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 4, 2022

1.शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों में अंग्रेजी भाषा कौशल का विद्यार्थियों के शैक्षिक अधिगम क्षमता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

2.शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों का अंग्रेजी भाषा कौशल तथा शैक्षिक अधिगम क्षमता का अध्ययन करना।

परिकल्पना - शोध कार्य के लिए परिकल्पना बहुत ही महत्वपूर्ण होती है परिकल्पना कि सहायता से शोधकर्ता को आकड़ो का संकलन करने में उचित दिशा मिलती है | **परिकल्पना क्रमांक $H0_1$.**दुर्ग जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में अंग्रेजी भाषा कौशल का शैक्षिक अधिगम क्षमता पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा ।

परिकल्पना क्रमांक $H0_2$.दुर्ग जिले के अशासकीय माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में अंग्रेजी भाषा कौशल का शैक्षिक अधिगम क्षमता पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा ।

विधि - प्रस्तुत शोध अध्ययन के लिए अनुसंधानकर्ता द्वारा सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। क्योंकि प्रस्तुत शोध में ऑकड़ो को एकत्र करने के लिए इस विधि का उपयोग किया गया है। क्योंकि उसके प्रतिदर्श पूरे समष्टि में फैले हुये है।

न्यादर्श - शोधकार्य में न्यादर्श की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं न्यादर्श शोध कार्य को आधार प्रदान करता है। अर्थात् शोध का आधार जितना मजबूत होगा शोधकार्य

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 4, 2022

का परिणाम उतना विश्वासनीय होगा। शोधकार्य के लिए न्यादर्श का चयन इस प्रकार किया जाता है कि सम्पूर्ण जनसंख्या का चयन एक इकाई के रूप में कर सकें

प्रस्तुत शोध अध्ययन में दुर्ग जिले शासकीय माध्यमिक विद्यालयों के 100 विद्यार्थियों का चयन किया गया है

उपकरण का विवरण –

क्रमांक	उपकरण का नाम	निर्माणकर्ता
1.	अधिगम क्षमता की मापनी	स्वनिर्मित
2.	अंग्रेजी भाषा कौशल की मापनी	स्वनिर्मित

परिकल्पनाओं का सत्यापन:

उपर्युक्त परिकल्पना क्रमांक 1- दुर्ग जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में अग्रेजी भाषा कौशल के द्वारा शैक्षिक अधिगम क्षमता पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा । परिकल्पना क्रमांक $H_{01.1}$ के लिये इन दोनों चरों के बीच पियरसन सहसंबंध गुणांक की गणना की गयी जिसे तालिका में दर्शाया गया है|

तालिका

दुर्ग जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के अंग्रेजी भाषा कौशल तथा शैक्षिक अधिगम क्षमता के मध्य सहसंबंध गुणांक

चर	Number	‘r’
अंग्रेजी भाषा कौशल	100	0.506 (p<.01)
शैक्षिक अधिगम क्षमता	100	

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper **© 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 4, 2022**

r(df=98) for p<.05 = 0.19 and for p<.01 = 0.25तालिका में सहसंबंध गुणांक r का मान 0.506 दर्शाया गया है तथा तालिका मान के अनुसार यह .01 के सार्थकता स्तर पर सिद्ध है । सहसंबंध गुणांक के अनुसार दुर्ग जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा अंग्रेजी भाषा कौशल तथा उनकी शैक्षिक अधिगम क्षमता धनात्मक तथा सार्थक रूप से एक-दूसरे से सहसंबंधित हैं तथा इसका अर्थ यह हुआ कि दुर्ग जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा अंग्रेजी भाषा कौशल में प्रवीणता बढ़ने पर उनकी शैक्षिक अधिगम क्षमता में भी वृद्धि होती है ।

आरेख

दुर्ग जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के अंग्रेजी भाषा कौशल तथा शैक्षिक अधिगम क्षमता का प्रकीर्ण आरेख

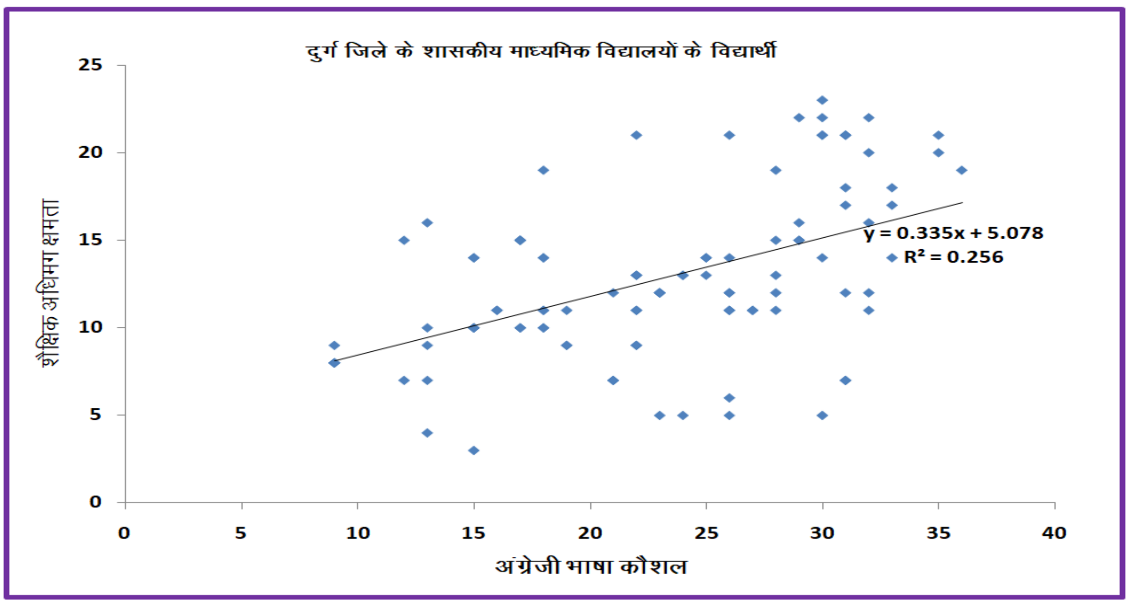

प्रकीर्ण आरेख में ट्रेंड लाईन तथा R^2 = 0.256 है । इस प्रकार दोनों चरों अंग्रेजी भाषा कौशल तथा शैक्षिक अधिगम क्षमता पर प्लॉट किये गये आंकड़ों में से 25.6% आंकड़े प्रतीपगमन रेखा से दूर नहीं है या उससे समीप हैं जो कि दोनों चरों के बीच कमजोर किन्तु धनात्मक सार्थक सहसंबंध को दर्शाता है ।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper **© 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 4, 2022**

अतः तालिका में दिये गये परिणाम के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना क्रमांक $H_{0.1}$ - दुर्ग जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा अंग्रेजी भाषा कौशल का शैक्षिक अधिगम क्षमता पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा, **अस्वीकार की जाती है ।**

परिकल्पना क्रमांक $H_{0.2}$ - दुर्ग जिले के अशासकीय माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में अंग्रेजी भाषा कौशल के द्वारा का शैक्षिक अधिगम क्षमता पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा । परिकल्पना क्रमांक H_{02} के लिये इन दोनों चरों के बीच पियरसन सहसंबंध गुणांक की गणना की गयी जिसे तालिका में दर्शाया गया है ।

तालिका

दुर्ग जिले के अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के अंग्रेजी भाषा कौशल तथा शैक्षिक अधिगम क्षमता के मध्य सहसंबंध गुणांक

चर	Number	‘r’
अंग्रेजी भाषा कौशल	100	0.781 (p<.01)
शैक्षिक अधिगम क्षमता	100	

r(df=98) for p<.05 = 0.19 and for p<.01 = 0.25

तालिका में सहसंबंध गुणांक r का मान 0.781 दर्शाया गया है तथा तालिका मान के अनुसार यह .01 के सार्थकता स्तर पर सिद्ध है । सहसंबंध गुणांक के अनुसार दुर्ग जिले के

अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा अंग्रेजी भाषा कौशल तथा उनकी शैक्षिक अधिगम क्षमता धनात्मक तथा सार्थक रूप से एक-दूसरे से सहसंबंधित हैं तथा इसका अर्थ यह हुआ कि दुर्ग जिले के अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा अंग्रेजी भाषा कौशल में प्रवीणता बढ़ने पर उनकी शैक्षिक अधिगम क्षमता में भी वृद्धि होती है ।

आरेख

दुर्ग जिले के अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के अंग्रेजी भाषा कौशल तथा शैक्षिक अधिगम क्षमता का प्रकीर्ण आरेख

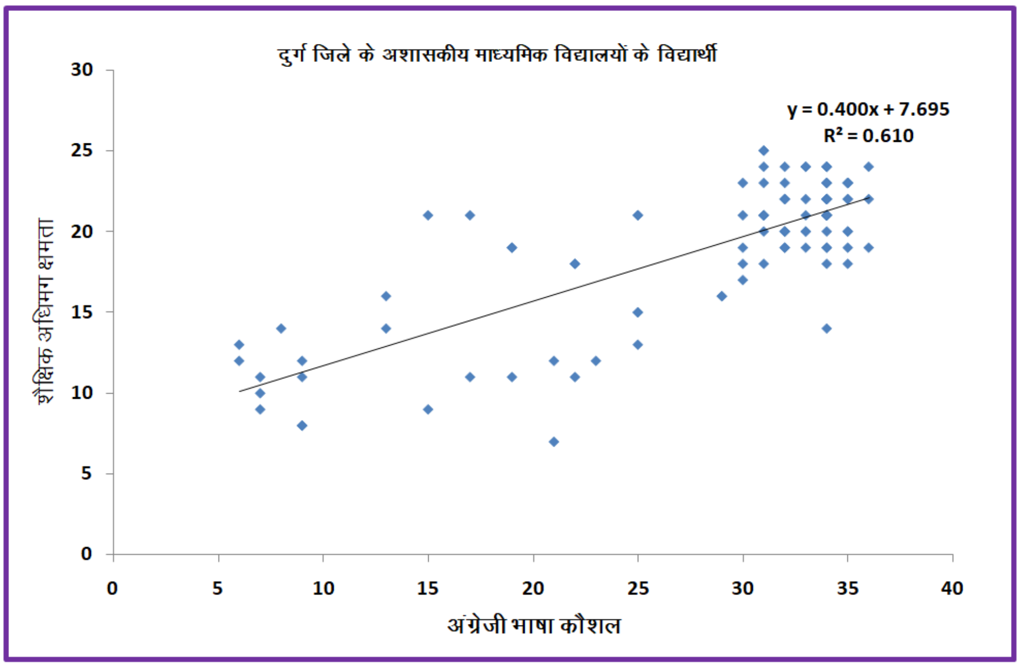

प्रकीर्ण में ट्रेंड लाईन तथा R^2 = 0.610 है । इस प्रकार दोनों चरों अंग्रेजी भाषा कौशल तथा शैक्षिक अधिगम क्षमता पर प्लॉट किये गये आंकड़ों में से 61.6% आंकड़े प्रतीपगमन रेखा

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper **© 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 4, 2022**

से दूर नहीं है या उससे समीप हैं जो कि दोनों चरों के बीच मजबूत एवं धनात्मक सार्थक सहसंबंध को दर्शाता है |

अतः तालिका में दिये गये परिणाम के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना क्रमांक H_{02} - दुर्ग जिले के अशासकीय माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा अंग्रेजी भाषा कौशल का शैक्षिक अधिगम क्षमता पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा, **अस्वीकार की जाती है ।**

निष्कर्ष –

1. दुर्ग जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों में अंग्रेजी भाषा कौशल तथा उनकी शैक्षिक अधिगम क्षमता धनात्मक तथा सार्थक रूप से एक-दूसरे से सहसंबंधित हैं सहसंबंध गुणांक r का मान 0.506 दर्शाया गया है तथा तालिका मान के अनुसार यह .01 के सार्थकता स्तर पर सिद्ध है ।
2. दुर्ग जिले के अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों में अंग्रेजी भाषा कौशल तथा उनकी शैक्षिक अधिगम क्षमता धनात्मक तथा सार्थक रूप से एक-दूसरे से सहसंबंधित हैं सहसंबंध गुणांक r का मान 0.781 दर्शाया गया है तथा तालिका मान के अनुसार यह .01 के सार्थकता स्तर पर सिद्ध है ।

सुझाव:

1. विद्यार्थियों में अंग्रेजी भाषा कौशल का उनके व्यक्तित्व पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन भविष्य में किया जा सकता है ।

2. माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के अंग्रेजी भाषा कौशल का उनके समग्र रूप से शैक्षिक प्रदर्शन पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन भविष्य में किया जा सकता है ।

3. माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के अंग्रेजी भाषा कौशल का उनके आत्म-विश्वास पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन भविष्य में किया जा सकता है ।

4.कम्प्यूटरीकृत शिक्षा की सुविधायुक्त माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के अंग्रेजी भाषा कौशल का जातीय पृष्ठभूमि के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन भविष्य में संभव है

5. माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक अधिगम क्षमता एवं अंग्रेजी भाषा कौशल का जातीय पृष्ठभूमि के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन भविष्य में संभव है ।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. कपिल,डॉ.एच.के.2007 “अनुसन्धान विधियाँ”भार्गव बुक हाउस,आगरा.

2. शर्मा, एस.के.2010, “शिक्षा अनुसन्धान के मूलतत्व एवं शोध प्रक्रिया ,आर लाल बुक डिपो, मेरठ .

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper **© 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 4, 2022**

3. राय, पारसनाथ 2005, “अनुसन्धान परिचय, भार्गव प्रकाशन.
4. सक्सेना, एन.आर. स्वरुप,2011,“शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय सिद्धांत”,आर.लाल बुक डिपो,मेरठ,
5. राय. डॉ. अमित. कुमार. (2019) “अधिगम एवं शिक्षण अनुसन्धान पब्लिकेशन,
6. भटनागर प्रो. सुरेश 2020, “ शिक्षा मनोविज्ञान” श्री विनोद पुस्तक मंदिर, प्रकाशन,
7. राय, पी. (1989), अनुसन्धान परिचय, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा,
8. कपिल, एच.के. (1994). प्रारंभिक सांख्यकीय विधिया, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा.